02508

DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION (D.El.Ed.)

Term-End Examination

June, 2013

BES-004 : CONTEMPORARY INDIAN SOCIETY AND EDUCATION

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i)* ***All*** *questions are* ***compulsory.***

(ii) ***All*** *questions carry* ***equal*** *weightage.*

1. Answer one of the following in about **600** words :

Discuss, with examples, Gandhiji's scheme of basic education. In what ways is it different from the current school curriculum ?

OR

'Real learning can take place if children learn by doing'. Discuss the implications of Gijubha's statement for school teachers.

2. Answer any of the following in about **600** words :

As per the National Policy of Education, (1986) what is the role of DIET's in the professional development of teachers.

OR

"The Education Commission (1964-66) had recommended a common school system to promote an egalitarian society". How were the common school expected to promote equality in education ?

3. Answer *any four* of the following questions in about **150** words each :

(a) What were the major differences in the approach of Orientalists, Anglicists and utilitarians towards education in India ?

(b) What were Tagore's experiences as a school student ?

(c) In what way the Preamble of the constitution guided our educational objectives ?

(d) As per the RTE Act, what is the composition of School Management Committees (SMCs) ?

(e) What is the expected role of the teachers in the classroom according to the RTE Act ?

(f) List, with examples, any two features of child-centered learning.

4. Answer the following question in about **600** words :

What does the RTE Act suggest about the following in schools :

- Infrastructure (minimum)
- Teacher-Pupil Ratio
- School days
- Instructional hours

Now write your assessment of your school with regard to the above indicators and make suggestions for improvement.

प्रारम्भिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.एल.एड.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2013

बी.ई.एस-004 : समकालीन भारतीय समाज एवं शिक्षा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i)* ***सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) ***सभी** प्रश्नों की **भारिता समान** है।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

उदाहरण सहित चर्चा कीजिए कि गांधीजी की बेसिक शिक्षा योजना, किस तरह से वर्तमान विद्यालय पाठ्यचर्या से भिन्न हैं?

अथवा

''वास्तविक अधिगम तभी हो सकता है, जब बच्चे करके सीखें।'' गिजुभाई के इस कथन की विद्यालय अध्यापकों के लिए उपादेयता पर चर्चा कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) के अनुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) की अध्यापकों के व्यवसायिक विकास में क्या भूमिका है?

अथवा

''शिक्षा आयोग (1964-66) ने समतामूलक समाज के प्रोत्साहन हेतु ''सार्वजनिक विद्यालय व्यवस्था'' की सिफारिश की।'' सार्वजनिक विद्यालयों से शिक्षा में समानता के प्रोत्साहन की अपेक्षा किस प्रकार की गई है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं चार** के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर लगभग **150** शब्दों में दें :

(a) भारत में शिक्षा के प्रति परम्परावादी, आंग्लवादी और उपयोगितावादी विचारों में क्या प्रमुख भिन्नताएं थीं?

(b) टैगोर के एक विद्यार्थी के रूप में क्या अनुभव थे?

(c) संविधान की प्रस्तावना किस प्रकार शिक्षा के उद्देश्यों को निर्देशित करती है?

(d) शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार विद्यालय प्रबन्धन समिति की रूपरेखा कैसी है?

(e) शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अनुसार कक्षा-कक्ष में अध्यापक की अपेक्षित भूमिका क्या है?

(f) बाल केन्द्रित अधिगम के कोई दो लक्षण, उदाहरण सहित लिखिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दें :

विद्यालय में निम्नलिखित के संदर्भ में शिक्षा का अधिकार अधिनियम के क्या सुझाव दिए गए हैं :

- (न्यूनतम) आधारभूत ढांचा
- अध्यापक छात्र अनुपात
- विद्यालय कार्य दिवस
- अनुदेशन घण्टे

उपर्युक्त संकेतकों के आधार पर अपने विद्यालय का आंकलन करके लिखिए तथा सुधार हेतु सुझाव दीजिए?